Seventeenth Loksabha

>

Title: Request government to make a policy to give pension to farmers after 60 years of age.

श्री वीरेन्द्र सिंह (बलिया): माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर आपके माध्यम से संसद का और देश का ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

महोदय, इस देश की 72 फीसदी आबादी, जो गांवों में रहती है, वह किसानी करती है । शिक्षा विभाग, सेना, पुलिस विभाग, कचहरी, न्याय विभाग में काम करने वाले और इसी तरह सभी विभागों में काम करने वाले लोग जब अवकाश प्राप्त करते हैं तो उन्हें उनकी जमा राशि मिलती है और पेन्शन मिलती है । यह कहा जाता है कि वे राष्ट्र का काम कर रहे हैं, राष्ट्रहित में काम कर रहे हैं । हिन्दुस्तान के गांवों में रहने वाले 72 फीसदी किसान अनाज पैदा करते हैं, फल पैदा करते हैं, सब्ज़ी पैदा करते हैं, दूध पैदा करते हैं, घी पैदा करते हैं । वे खाते भी हैं और खिलाते भी हैं । हिन्दुस्तान के 40 प्रतिशत लोग खेती नहीं करते हैं । वह उनके भरण-पोषण के लिए भी अन्न पैदा करता है ।

अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि किसानों को पेन्शन क्यों नहीं मिलनी चाहिए? इसलिए एक किसान होने के नाते मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि भारत के किसानों को पेन्शन जरूर मिलनी चाहिए ।

भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई ने जो छः हजार रुपये किसान सम्मान निधि का दिया है, इससे किसानों की बहुत बड़ी सहायता हुई है । कार्तिक के महीने में मैं अभी क्षेत्र से आया हूं । वहां किसान कह रहे हैं कि यह बहुत बड़ी राहत है । इसलिए मैं आपके माध्यम से पुरजोर तरीके से इस बात को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के किसानों को पेन्शन देने की योजना सरकार के द्वारा घोषित की जानी चाहिए क्योंकि 60 वर्ष की आयु के बाद जब किसान खेती का काम बंद कर देता है तो उसका जीवन बड़ी तंगहाली में व्यतीत होता है ।

महोदय, मैंने इसे देखा है और आपने भी देखा है । इसलिए मैं आपसे विनम्रता से निवेदन करता हूं कि इस मामले में आप भी मुझे सहायता प्रदान करें । देश के किसानों को पेन्शन देने की योजना भारत सरकार जरूर बनाए ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, डॉ. सत्यपाल सिंह एवं श्री देवजी एम. पटेल को श्री वीरेन्द्र सिंह के द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।